

न्यायालय उच्च खंड आदेशों के  
अनुसारों में करता है। एड. ए.डी.

कि.द.म. १२०५ १०३/१५

दिनांक १३-६-१५

१- रिपोर्ट (माइ.देवी) पालि खानां रीचिंग (निवासी) (बोर्डिंग)  
- वाहीप

कमाव

- १- सन्तोस पालि पुष्प-चान्द मोरिय (निवासी) (बोर्डिंग)
- २- पुष्प मोरिय शमा देवरा (निवासी) सिमिया (बोर्डिंग)
- ३- पुष्प मोरिय काना देवरा (निवासी) सारीया (बोर्डिंग)
- ४- मोहन मोरिय काना देवरा (निवासी) सारीया (बोर्डिंग)
- ५- गरबी मोरिय काना देवरा (निवासी) सारीया (बोर्डिंग)
- ६- छोडू खां मोरिय अली खां कुसुमामात नि. जाय कसुमामात
- ७- धारु देवी पालि छोडू मोरिय नि. माया कसुमामात
- ८- सहेली पालि जयपुर

— प्रा.दे.का.वी.गण

वा.द.प.अ.अ.अ.अ.  
पार ३३.१३३ २०१५.

उपस्थित

१- श्री हीता भाच शर्मा  
एड. वाहीप

निर्णय

दिनांक १७-६-१५

वाहीप स. वा.द.प.अ. का स.स.स.  
के तहत इस प्रकार है १. न्यायालय द्वारा प्राधिकृत  
रिपोर्ट इस आधारों में जा.के.के. गयी है. नि. मोरिय  
पार. ए.डी. नि. आशाजी नंबर ११५ रज.का  
६ लोक. ११ लोक. के वाहीप को ११५ एक व हिस्सा

अ. दे. का. वी. गण

मै मीरं पर कल्लो अउसार कवाठ प्रसाव मिठाकोन  
 हए तहसील दप के आदेय हुमा गालो हो (मैसरी)  
 सामना हए तहसील दप के मिठका गमा)

(तहसील दप गलागुरे वी गसि पक  
 हुमां/राजस/11.88 हुमां 21-17 के गसि 9 कवाठ  
 प्रसाव मिठाकोन हए वही ह सामना मिठका गमा)

कवाठ प्रसाव पर वसति करी  
 की एक पक्षम कल्लो हुमां गरी हुं कवाठ प्रसाव  
 मी वसति करीया सहमत हो मीस कवाठ प्रसाव  
 के अउसार कवाठ हुमां गरी गरी की  
 गालो हए - गुम 1 वसति

क्र.सं	नाम खानेदार	आय	वसति	वसति
1-	भाइदेवी पाली खानेदार मैसरी कवाठ	374/2	1-10 कवाठ	6-58
		1	1-09 मैसरी	
		<u>1</u>	<u>1-10</u>	
2-	मन्तोस पाली फूल चन्द 4691 काप्र देवी पाली हुमां 2591 काप्र साधु नारायण मैसरी मैसरी नरु मीरं मीरं हुमां समयवती हुमां हुमां हुमां मैसरी मीरं काठ 15191 देवी देवी हुमां मीरं अली मैसरी 15191 हुमां मीरं कवाठ	374/1	4-11 कवाठ 4-25 मैसरी 0-06	1-70
			1	
			<u>4-11</u>	

उपरीमा अउसार खानेदार आकर 2 हुं मीरं गरी  
 काठोयस मीरं गालो हुं कवाठ के कवाठ कवाठ मीरं  
 मीरं मीरं प्रका की कवाठ कवाठ मीरं मीरं मीरं  
 कवाठ मीरं मीरं मीरं कवाठ मीरं मीरं मीरं  
 मीरं मीरं मीरं मीरं मीरं मीरं मीरं मीरं  
 मीरं मीरं मीरं मीरं मीरं मीरं मीरं मीरं

मैसरी आकर मीरं 12-1-18 मीरं  
 मीरं मीरं

# डिग्री व मुकदमे इष्टवाई

16

( ओ 20 रूल 6 - 7 जास्ता दीवानी )

अ अदालत ... उम खंड आर्चिवार ... मुकाम ... जहाजपुर (मिजा)  
 य नसार ... श्री सुबकर सिंह P.S. ...  
 ... सन्तोष मणि हुवम ...  
 ... शक्ति मंड नेनी पति ...  
 ... खान शीष्य निवा ...  
 ... तवेरी ...  
 ... कांठर तवेरी ...  
 ... 33, 188 P.O.A. ...  
 ... 103 ... सन् 2014 ...

यह मुकदमा अज वास्ते इन्फिर्माल कतई रुबरु 35140

य जरी श्री हीना राय रेणु ...  
 ... मिनजामिन मुदाई व ...

मिनजामिन मुदायलत पेश होकर हुवम दिया जाता है व डिग्री दी जाती है कि

उम तहेकर उम वत पाठ कलक मुसा  
ई अमुकर कत तथ (उम) निमाउकर गाम  
श्री गरी-ई-उम (उम) निमाउकर गाम

मुबतिग ... बाबत ...

इस मुकदमे के गल सुद शहर ... फीसदी सलाना आज की तारीख

हे गरीब गमूलसाबी सब का अदा करे।

बसक्त मेरे दरतखत व मुहर अदालत के आज तारीख

12-18

माह

दस्ताखत

ओहदा

सन्तोष मणि हुवम  
जहाजपुर (मिजा)

हर

मुदाई	रुपया	पैसा	मुदायला	रुपया	पैसा
उम आरजीदथा			स्टाम्प वकीलातनामा		
उम वकीलातनामा			स्टाम्प अरजी		
उम वजह सबूत			स्टाम्प वजह सबूत		
मलतना वकील ( )			महनताना वकील ( )		
उम गवाहाल			उमर्चा गवाहाल		
उम कमीशजर			फीस कमीशजर		
उम इजराय हुवम नामा			बाबत इजराय हुवम नामा		
गफरिग			मुनफरिग		
	मीजान			मीजान	

... जिसे जिम्मा नाम हो ...

क्र.सं.	नाम खातेदार	आय	स्कोर	मत
1-	साइदेवी पालि खात प्रथम को-इए	974/2	1-10 का 2 1-07 प्रतिभा	0-58
			1-10	

2-	सन्तोष पालि कुचचन्द्र अथ 46/31 धारु देवी पालि होरु वर्ष 1591 सत्यनाथप्र. विमान लाय नन्दु, पीत मोत प्रथम सामयकी कका प्रथम प्रथम मोहन नरकी मोत कान 1591 देवता होरु का मोत अथी मोहम्मद 1591 प्रथममा को-इए	974/1	4-11 का 2 4-25 38 नकी 0-16	1-10
			4-11	

उपरोक्त प्रकार खात अला- 2 र्थ  
वीरगोत्र) वासी का कको का प्रथम को-इए प्रथम  
सिद्धवन्दारी नद्ये कहे वाकल मुनिवन्दारी का को-इए  
स्वामी निरव्याका को पाकन वीरगोत्र को-इए

उपस्थ अधिकार  
जहाजपुर (पीलगाव)

1- वीरगोत्र साइदेवी पालि खात प्रथम निवासी वीरगोत्र  
— कासी का

- वनाम
- 1- सन्तोष मोत कुचचन्द्र अथ निवासी वीरगोत्र
  - 2- प्रथम मोत रामा देवता नि-सामय वीरगोत्र
  - 3- प्रथम (प्रथम मोत काम) देवता नि-सामय वीरगोत्र
  - 4- मोहन मोत कान देवता निवासी मोत वीरगोत्र
  - 5- नरकी मोत कान देवता निवासी मोत वीरगोत्र
  - 6- होरु का मोत अथी का प्रथममा नि-सामय वीरगोत्र
  - 7- धारु देवी पालि होरु अथ
  - 8- तदानी पदम गजगुर

— मुनिवन्दारी का